PGDSLM

विद्यालयी नेतृत्व एवं प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

सत्रीय कार्य
(जनवरी, 2021 एवं जुलाई, 2021)

शिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

विद्यालय नेतृत्व एवं प्रबन्धन में परास्नातक डिप्लोमा (पी.जी.डी.एस.एल.एम.)
सत्रीय कार्य
जनवरी, 2021 एवं जुलाई, 2021

एम.ई.एस.–004: विद्यालय प्रमुख के रूप में मुख्याध्यापक

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए –

1. प्रबन्धन के संगठनात्मक स्तर पर संरेखण के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। प्रभावी नेताओं वाले संगठनों में 'खुलेपन' (ओपेननेस) के विभिन्न क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

2. प्रधान शिक्षक के रूप में आप से सम्बन्धित नैतिक दुविधाओं की परिचर्चा कीजिए और व्याख्या कीजिए कि आप नीतिपरक निर्णयों को सुलझाने के लिए शिक्षकों की किस प्रकार सहायता कर सकते हैं।

3. प्रधान शिक्षक के लिए समस्या–समाधान कौशलों के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। प्रधान शिक्षक के रूप में आप द्वारा प्रयोग किये जाने वाले समस्या–समाधान का आदर्श रूप को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

एम.ई.एस.–005 : मानव संसाधन विकास

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए –

1. अहम् भाव की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। एक प्रधान शिक्षक के रूप में आप अपने अन्तःवैयक्तिक व्यवहार को मध्यस्थ होने और नियंत्रित करने के लिए कार्य निष्पादन विश्लेषण का प्रयोग किस प्रकार करते हैं? उदाहरण दीजिए।

2. 'कार्य विश्लेषण' से आप क्या समझते हैं? कार्य विश्लेषण की कम से कम तीन विधियों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए जिनका प्रयोग विद्यालय में किया जा सकता है।

3. प्रधान शिक्षक के रूप में अपनी क्रियाओं के बारे में पुनर्विचार कीजिए और लिखिये और अपने नेतृत्व आधार और पद्धति की पहचान कीजिए। आप की राय में विद्यालय नेतृत्व के लिए कौन सा शक्ति–प्रकार सर्वाधिक उपयुक्त है और क्यों?

एम.ई.एस.–006 : शिक्षण–अधिगम प्रबन्धन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए –

1. प्रभावी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के लिए जनसंचार माध्यम के प्रयोग की व्याख्या कीजिए।

2. उपयुक्त शिक्षण–अधिगम संसाधनों की पहचान और चयन में प्रधान शिक्षक की भूमिका का वर्णन कीजिए।

3. विद्यालय में रखे जाने वाले विधि प्रकार के अभिलेखों की परिचर्चा कीजिए। इन अभिलेखों का प्रयोग शिक्षार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के मार्गदर्शन के लिए एक प्रभावी उपकरण के रूप में किस प्रकार प्रयोग किया जा सकता है?

एम.ई.एस.–007 : विद्यालय प्रशासन और वित्तीय प्रबन्धन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए –

1. 'संसाधन जुटाने में आचार संहिता' की भूमिका की परिचर्चा कीजिए।

2. किन्हीं पाँच वित्तीय नियमों की परिचर्चा कीजिए जिसे कि आप विद्यालय के लिए बनायेंगे और ये नियम आप की संस्था के वित्तीय प्रबन्धन को किस प्रकार सहायता करेंगे? व्याख्या कीजिए।

3. विद्यालय प्रबन्धन के लिए लेखा–परीक्षण के महत्त्व की परिचर्चा कीजिए।

एम.ई.एस.–008 : बेहतर विद्यालयों के लिए नेतृत्व

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए –

1. विद्यालय–समुदाय सहभागिता की प्रभावत्मकता को कम कर सकने वाले मुद्दों की परिचर्चा कीजिए।

2. बहुसांस्कृतिक विद्यालय की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। अपने विद्यालय में बहुलवाद के उन्नयन के लिए रणनीतियाँ सुझाइये।

3. विद्यालय विकास योजना में निहित चरणों की व्याख्या कीजिए। इन चरणों का प्रयोग करते हुए विद्यालय विकास योजना तैयार कीजिए।